

P. 36.) °दशेवेह B. 37.) दधिविशेषस्य the mspts. 38.) का° - °दयिति is wanting A. M. 35. [sic!]) अन्यथा is wanting in all the mspts. 36.) स्ना B. प्राधातुपा° २४. ४४. 37.) °ज्ञविरोध° B. 38.) किञ्चिद्वा° B. 39.) त्रीहिं स्पृशेदिति P. 40.) बालकेभ्यः A. 41.) is wanting निघ° २. ११. 42.) °च्चारणपूर्वकं B. 43.) The second हृविष्कृदेहि is wanting in A. B. 44.) °शमे श्यन्विकरणाः [पा° ३. १. ६१.] व्यत्ययेनात्मनेपदम् B. 45.) °धातुकऽइति दीर्घ ईह बङ्गलं हन्द्सीति [पा° २. ४. ७३.] शपो लुक् । अदिशप्रत्यययोरिति [पा° ८. ३. ५१.] पत्वम् B. 46.) °नदिका B. 47.) सेयं B. 48.) °तेन संपद्यते B. 49.) अन्तःस्थितस्येपद्रक्तवर्णस्य B. 50.) सेयं B. 51.) तदेतद्धि° B. 52.) संबुधा° B. 53.) °त्वादोत्रत्वम् B. 54.) प्राशिन्नप्रहुरिणा B. P. 55.) I have not met with this rule in the Kātyāyanasūtra. मूलादुपवेपं करोतीति B. 56.) धृ° - च is wanting in A. M. 57.) नाशंकररक्तो° P. 58.) B. adds स्कभोतिः स्तम्भनकर्मा लोकस्य स्तम्भनीः 59.) °संयवनीया B. 60.) समं वि° the mspts of Kātyāy. 61.) अय्यमा° B. 62.) सोऽत्र मा भूदित्यर्थः B. 63.) दिवि नाको नामाग्निः रक्तोदेति नामकः स्वर्गस्थोऽग्निः B. 64.) °यानि P. 65.) प्रहुरणादीनि Kāty. mspts. 66.) निपात्य B. P. M. 67.) निपाद्य B. 68.) शान्ता is wanting A. शिता P. 69.) मिथो मल्लितमेतस्या भूमेर्यत्कृलं देवयजनं चन्द्रे स्थापयाम इति मनसि निधाय स्थापयामासुस्तत्कृलवर्णमद्यापि B. 70.) रप्सति B. रपाति P. 71.) यज्ञे B. P. 72.) विदितव्यं P. 73.) मृजूष B. M. —

The first 72 pages have been printed and corrected during my temporary absence from Berlin: this accounts for the numerosity of orthographical and typographical errors. *Read:* ऽइति or ऽइत्य° pag. 2, lin. 7. 11, 20. 12, 13. 14, 20. 15, 23. 19, 12. 17. 23. 20, 20. 21, 20. 22, 13. 24, 7. 19. 20. 23. 25, 10. 26, 13. 29, 2. 33, 18. *Read:* pag. 1, lin. 1. भाष्यं वि°. 4 ब्रह्मप°. 2, 10 पडुत्तर°. 3, 2 व. 3 यज्ञ°. 12 दोहनाद्°. 23 क्रियाप°. 4, 1 संन°. 10 य । 17 °र्तते. 5, 13 °स्य पशू°. 6, 16 मध्योदात्तं. 7, 13 °स्मिन्निति. 8, 22 ज्यं म°. 9, 15 ऽह्व. 25 °होषक°. 10, 8 °गढ सो° and व्यढ र°. 12 ऽउत्त°. 15 and 16 त्वया दु-